an>

Title: Regarding 'Asha Bahus' working as health-workers in the country.

श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी) : महोदय, मैं आपका ध्यान भारत के ग्रामीण इलाके में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य की ओर दिलाना चाहता हूँ। वहाँ के लोगों का जो बेसिक स्वास्थ्य है, वह आशा बहुओं के जिम्मे है।

महोदय, जो वहाँ की आशा बहुओं की नियुक्ति है, उनका जो काम है, वे एक एजेन्ट की तरह काम कर रही हैं। उनके द्वारा डिलिवरी पर 600 रूपए, आँख की जाँच कराने जाएं तो 50 रूपए, कुष्ठ रोग की जाँच हेतु जाएं तो 150 रूपए लिये जाते हैं।

महोदय, ग्रामीण इलाकों में हालत बहुत खराब है। जब देश में बड़े-बड़े एम्स और बड़े-बड़े हॉस्पिटल और स्वास्थ्य के बारे में बड़ी-बड़ी बातें की जाती हों, तो वहाँ पर बेसिक स्वास्थ्य की बात एक एजेन्ट के माध्यम से या एजेन्ट की तरह किया जा रहा है, यह बहुत ही दुखदायी है।

महोदय, इनकी जो नियुक्ति है, वह भी ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम प्रधान के द्वारा की जाती है, जिसके कारण इनकी नियुक्ति में बहुत भेदभाव होता है। इसके कारण इनसे जिस सेवा की उम्मीद की जाती है, वह लोगों को इनसे मिल नहीं पा रही है। इनकी समस्याओं पर भी सरकारों की ओर से ध्यान नहीं दिया गया है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से और प्रदेश सरकार से माँग करता हूँ, उनसे निवेदन करता हूँ कि उनकी नियुक्ति को नियमित किया जाए और जो ए.एन.एम. की सुविधायें हैं, वे इन्हें दी जाएं। जिससे इनके पास जो स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं आती हैं, उसे ये ठीक तरह से निभा सकें। एजेन्ट की तरह काम करने के कारण कभी-कभी ये मरीज को सरकारी अस्पताल में न ले जाकर, पैसे के लालच में, लोभ में प्राइवेट नर्सिंग होम में भी ले जाते हैं।

इसलिए मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन है कि प्रदेश सरकार द्वारा इनका नियमितीकरण कराया जाए और इनको ए.एन.एम. की तरह वेतन दिया जाए।

HON. DEPUTY SPEAKER: The name of

Shri Ashwani Kumar Choubey is associated on this issue raised by Shri Vinod Kumar Sonkar.